



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 17 अक्टूबर, 1992/25 आश्विन, 1914

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय अतिरिक्त उपायुक्त

शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला, सितम्बर, 1992

संख्या: पी० सी० एच०-एस० एम० एल० (4) 131/79.—क्योंकि ग्राम पंचायत खावल के भूतपूर्व प्रधान श्री लीला सिंह व अन्य ने ग्राम पंचायत खावल के प्रधान श्री बाबू राम के विरुद्ध जिला पंचायत अधिकारी शिमला के समक्ष एक शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया था और उन द्वारा अपने कार्यालय के सम्मुख पत्र दिनांक 12-7-91 को विकास खण्ड अधिकारी चडगांव से उपरोक्त शिकायत पत्र के मन्दर्भ में जांच रिपोर्ट मांगी थी। तदुपरान्त विकास खण्ड अधिकारी द्वारा पंचायत निरीक्षक चडगांव के माध्यम से यह जांच करवाई गई और जांच रिपोर्ट अनुसार श्री बाबू राम के विरुद्ध निम्नलिखित आरोप सही पाए गए हैं:—

1. निर्माण सिंचाई नहर डेमडारी नाला से गडासु तक के लिए मु० 10,000/- रुपये की वित्तीय स्वीकृति दिनांक 26 सितम्बर, 1990 को प्राप्ता हुई थी जिसमें से मु० 8,750/- रुपये अनुदान तथा मु० 1,250/- रुपये श्रवदान के रूप में लोगों द्वारा दिए जाने थे। श्री बाबू राम प्रधान द्वारा मु०

8,680/- रुपये की राशि जाली मस्ट्रोल बनवाकर निर्माण कार्य पर व्यय दर्शाई गई है जबकि प्रारम्भिक जांच रिपोर्ट के आधार पर मौका पर कोई कार्य नहीं हुआ तथा तत्कालीन कनिष्ठ अभियन्ता श्री रोशन लाल द्वारा मु० 8,660/- रुपये की मूल्यांकन रिपोर्ट दी गई है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि श्री बाबू राम व श्री रोशन लाल भूतपूर्व कनिष्ठ अभियन्ता विकास खण्ड चड़गांव की मिली भगत से उक्त राशि का गवन किया गया प्रतीत होता है।

जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत मु० 4,660/- रुपये मस्ट्रोलानुसार निर्माण रास्ता खावल से बल्टवाडी पर व्यय किए गए हैं परन्तु प्रारम्भिक जांच रिपोर्ट के आधार पर मौका पर कोई कार्य नहीं किया गया इस प्रकार इन राशि का भी गवन किया गया प्रतीत होता है।

अतः मैं, डा० ए० जे० बी० प्रसाद, प्रतिरिक्त उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश जिन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 3 (1) (आई) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना पी० सी०-एच० बी० (2)-19/76 दिनांक 15-1-82 के अधीन उपायुक्त नियुक्त किया गया है श्री बाबू राम, प्रधान ग्राम पंचायत खावल, विकास खण्ड चड़गांव, जिला शिमला को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 अधिनियम संख्या : (19 अग 1970) की धारा 54 (1) तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत उपायुक्त की शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह कारण बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि वे अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बारे में इस नोटिस की प्राप्ति से 30 दिन के भीतर-भीतर अपना स्पष्टीकरण इस कार्यालय को भेजें और उन्हें यह आदेश देता हूँ कि क्यों न उन्हें उक्त कृत्यों के लिए प्रधान पद के कर्तव्यों को ठीक प्रकार से न निभाने के लिए उक्त अधिनियम की धारा 54 (1) के अन्तर्गत निलम्बित किया जाए। उनका उत्तरविकास खण्ड अधिकारी चड़गांव के माध्यम से इस पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय में पहुंचना अनिवार्य है। अन्यथा यह समझा जाएगा कि उन्हें अपनी सफाई में कुछ नहीं कहना है और नियमानुसार उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही की जाएगी।

डा० ए० जे० बी० प्रसाद,  
प्रतिरिक्त उपायुक्त शिमला;  
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय जिलाधीश कुल्लू, जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 26 सितम्बर, 1992

संख्या पी०सी०एच० (कु) क (1)-4/79-2-3205-10.—क्योंकि श्री हंस राज पंच वाई नं० 3 (जांग्रो) ग्राम पंचायत लक्ष्मेरी, विकास खण्ड आनी, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का स्वयं सेवी अध्यापक के लिए चयन किया गया है जिसके फलस्वरूप वह ग्राम पंचायत लक्ष्मेरी के पंच पद पर बने नहीं रह सकता तथा उसने ग्राम पंचायत लक्ष्मेरी के पंच पद से अपना त्याग-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः मैं, जीवानन्द जीवन, जिलाधीश कुल्लू, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियम, 1971 के नियम 19 ख के अन्तर्गत प्राप्त हैं; श्री हंस राज पंच, ग्राम पंचायत लक्ष्मेरी, विकास खण्ड आनी द्वारा पंच पद से दिए गए त्याग-पत्र को दिनांक 27-3-1992 से स्वीकार करता हूँ तथा साथ ही ग्राम पंचायत लक्ष्मेरी के वाई नं० 3 (जांग्रो) से पंच पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

जीवानन्द जीवन,  
जिलाधीश,  
कुल्लू, जिला कुल्लू (हि० प्र०)।

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 26 सितम्बर, 1992

संख्या पी0सी0 एच0-एच0 ए0 (5) 41/83-II.—क्योंकि श्री ब्रह्म दास, प्रधान, ग्राम पंचायत कारगु जागीर, विकास खण्ड नादौन, जिला हमीरपुर के विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत, सरकार द्वारा नियमित जांच अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी हमीरपुर द्वारा करवाई गई। जांच अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत के मौका पर उपस्थित प्रधान, उप-प्रधान, सदस्यों के अतिरिक्त अपने लोगों के सम्मुख रिकार्ड एवं मौका की पुष्टि करते हुए जांच की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर उक्त श्री ब्रह्म दास के विरुद्ध निम्नलिखित आरोप समक्ष आए हैं :—

1. यह कि लिंक रोड बडेहड़ा का मस्ट्रोल नं० 3/83, मु० 3044-25 व गली निर्माण शासक ब्राह्मण का मस्ट्रोल नं० 7/88, मु० 668-50 पैसा तथा लिंक रोड, सनाई नालदी 5/81, मु० 1319-50 के मस्ट्रोल न ही रजिस्टर में दर्ज पाए गए और न ही केश बुक में दर्ज हुए, इस प्रकार इन्होंने मु० 6439-09 पैसे अनुचित रूप से नकद शेष अपने पास रखा। कार्यों का हिसाब-किताब का बीका पर मिलान करने पर 1407-00 रु० उनसे फिर भी बमूली योग्य पाए गए।
2. कि राजकीय प्रा० पा०, डगोह के लिए मु० 1500/- रु० अनुदान की राशि स्वीकृत हुई जिसका दुरुपयोग प्रधान द्वारा निजी हितों के लिए दिनांक 22-8-80 से 4-6-83 तक किया गया और पंचायत को मु० 562/- ब्याज की हानि पहुंचाई गई और उनके कारण इस पाठशाला के निर्माण न होने के फलस्वरूप कार्य की महत्वता नष्ट हुई।
3. लिंक रोड बडेहड़ा के निर्माण हेतु मु० 3050/- रु० अनुदान की राशि स्वीकृत हुई जिससे प्रधान द्वारा अनुचित रूप से 7 माह तक अपने पास रखे और पंचायत को मु० 253-75 की ब्याज की हानि पहुंचाई।
4. पंचायत घर के निर्माण में 13600 ईंटें मु० 9860-00 की खरीद की गई परन्तु कनिष्ठ अभियन्ता के मूल्यांकन के अनुसार केवल 9600 ईंटें ही लगीं हैं बाकि 4000/- ईंटें जिनका मु० 2900/- बनता है प्रधान द्वारा दुरुपयोग की गई हैं।

उपरोक्त के दृष्टिगत श्री ब्रह्म दास, प्रधान, ग्राम पंचायत कारगु जागीर का प्रधान पद पर बने रहना जनहीत में नहीं पाया गया तथा इस प्रकार इस पद की गरिमा को ठेस पहुंची है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (2) (डी) के अधीन प्राप्त हैं उक्त श्री ब्रह्म दास को पंचायत नियम 77 के अधीन नोटिस देते हैं कि क्यों न उन्हें ग्राम पंचायत कारगु जागीर के प्रधान पद से निष्काषित किया जाए उनका उत्तर एक माह के भीतर उपायुक्त, हमीरपुर के माध्यम से इस कार्यालय को प्राप्त होना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहते और उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही की जायेगी।

शिमला-2, 5 अक्तूबर, 1992

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (5) 75/92.—क्योंकि ग्राम पंचायत कलीण्ड, विकास खण्ड ठियोग, जिला शिमला ने अपने प्रस्ताव संख्या 5, दिनांक 10-3-1992 द्वारा सूचित किया है कि सर्वथी रामा नन्द उप-प्रधान, श्री धनी राम पंच व श्री जीत राम पंच दिनांक 16-2-92 से लगातार पंचायत की बैठकों में भाग नहीं ले रहे हैं और न ही उन्होंने नियमानुसार अपनी अनुपस्थिति की सूचना पंचायत में दी है। इस बारे पंचायत ने अपने प्रस्ताव संख्या 3, दिनांक 10-7-92 द्वारा उपरोक्त पदाधिकारियों को पंचायत के चौकीदार द्वारा मासिक बैठक में उपस्थित न होने बारे उनको दिनांक 10-8-92 को पंचायत की बैठक में उपस्थित हो कर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया था।

क्योंकि उक्त उप-प्रधान व पंचों के विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (2) (सी) के अन्तर्गत कार्यवाही करने से पहले मामले की वास्तविकता जानने के लिए नियमित जांच का करवाया जाना जनहितार्थ में आवश्यक है।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के अन्तर्गत उपरोक्त तथ्य की वास्तविकता जानने के लिए उप-सम्भागीय अधिकारी (ना0) ठियोग को जांच अधिकारी तथा पंचायत निरीक्षक, ठियोग को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त करने के सहर्ष आदेश देते हैं। वह अपनी जांच-रिपोर्ट उपायुक्त, शिमला के माध्यम से शीघ्र अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करेंगे।

हस्ताक्षरित/-

अतिरिक्त सचिव।

भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 26 सितम्बर, 1992

संख्या : भाषा-बी (3)-10/86.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, श्री सुदर्शन वशिष्ठ-सहायक निदेशक (प्रकाशन) वर्ग-II (राजपत्रित) वेतनमान 2100—3700 को हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से उप-निदेशक (भाषा) वर्ग-I (राजपत्रित) वेतनमान 2400-60-2700-75-3000-100-4000 के पद पर नियमित रूप से तत्काल पदोन्नत करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,

देव स्वरूप,  
आयुक्त एवं सचिव।

उद्योग विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 सितम्बर, 1992

संख्या उद्योग-I (छ) 4-6/91.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या उद्योग-II (छ)-(1) 1/87, दिनांक

18-12-90, 27-12-90, 18-4-91 व 11-6-91 के क्रम को जारी रखते हुये राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश श्री लेख राज, ग्राम टाण्डा, डाकखाना राजपुर, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा को चाय विकास बोर्ड में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में मनोनीत करने के तत्काल सहर्ष आदेश देते हैं।

आदेश द्वारा

बी० वी० टण्डन,  
वित्तियुक्त एवं सचिव।

लोक सम्पर्क विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 7 अक्तूबर, 1992

संख्या पब-ए (4) 5/92.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश की उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं 1993 के कलैण्डर के प्रकाशन हेतु अस्थाई समिति के गठन हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त समिति में निम्न-सदस्य मनोनीत किए जाते हैं :—

- |   |            |
|---|------------|
| 1. श्री पी० सी० कटोच, नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश | .. अध्यक्ष |
| 2. श्री डी० पी० जोशी, निदेशक, लोक सम्पर्क, हिमाचल प्रदेश                | .. सदस्य   |
| 3. वित्त विभाग का प्रतिनिधि   | .. सदस्य   |

समिति का कार्य क्लाप निम्न प्रकार से होंगे :—

1. हिमाचल प्रदेश सरकार की पिछले ढाई वर्ष की उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों को दर्शाते हुए लघु पुस्तिका का मुद्रण कार्य पूर्ण विवरण सहित प्रस्तुत करना जिसमें रंगीन चित्र भी होंगे, की रूप रेखा तैयार करेगा।
2. वर्ष 1993 के कलैण्डर के मुद्रण कार्य जिसमें प्रदेश की उपलब्धियों और कार्यक्रमों का चित्रण हो।
3. समिति को अधिकार होगा कि अल्प अवधि में दरसुविधाएं मंगवाकर कार्य को शीघ्र पूर्ण करेगा।
4. लघु पुस्तिका एवं वर्ष 1993 के कलैण्डर के मुद्रण हेतु संख्या का निर्धारित करना।

आदेशानुसार,

कृष्ण चन्द शर्मा,  
प्रायुक्त एवं सचिव।

स्थानीय स्वशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 8 अक्तूबर, 1992

संख्या : एल० एस० जी० ए (4)-15/76-I.—चूंकि अधिसूचित क्षेत्र समिति रोहडू, जिला शिमला हिमाचल प्रदेश के प्रधान तथा सदस्यों का कार्यकाल अब समाप्त हो चुका है।

अतः अब, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 (अधिनियम नं० 19 आफ 1968) की धारा 257 की उप-धारा (1) के (डी) और (ई) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्नलिखित सरकारी तथा गैर-सरकारी सदस्यों को अधिसूचित क्षेत्र समिति रोहड़ू के लिए तत्काल तीन वर्ष के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

**सरकारी सदस्य :**

- |   |        |
|---|--------|
| (1) उप मण्डलाधिकारी (ना०) रोहड़ू  | प्रधान |
| (2) चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल रोहड़ू                              | सदस्य  |
| (3) महायक अभियन्ता (बी० एण्ड आर०) हि० प्र० लो० नि० वि०, उप-मण्डल रोहड़ू | सदस्य  |
| (4) सहायक अभियन्ता (आई० एण्ड पी० एच०) उप-मण्डल, रोहड़ू                  | सदस्य  |
| (5) सहायक अभियन्ता (विद्युत) उप-मण्डल, रोहड़ू                           | सदस्य  |
| (6) खण्ड विकास अधिकारी, रोहड़ू  | सदस्य  |

**गैर-सरकारी सदस्य :**

- |  |       |
|--|-------|
| (1) श्री उत्तम चन्द सुपुत्र श्री घनश्याम, निवासी रोहड़ू        | सदस्य |
| (2) श्री डिवल सिंह सुपुत्र श्री रतनदास, निवासी समाला, रोहड़ू   | सदस्य |
| (3) श्रीमती उमा पत्नी श्री ओम प्रकाश, निवासी रोहड़ू            | सदस्य |
| (4) श्री जितेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री शालीग्राम, निवासी रोहड़ू | सदस्य |
| (5) श्री गुदरमल सुपुत्र श्री जाड, निवासी रोहड़ू                | सदस्य |

आदेश द्वारा,  
एस० एस० सिद्धू,  
वित्तियुक्त एवं सचिव।